हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार, 9 सितंबर, 2025

11 दहमान के पास निर्माणाधीन बायो-फ्यूल प्लांट पर बवाल

12 प्रशासन का दावा : भूना शहर के अधिकतर स्थानों से पानी निकाला...

खबर संक्षेप

क्षतिपूर्ति पोर्टल 15 सितंबर तक खुला

फतेहाबाद। जिला में हुई भारी वर्षा और जलभराव के कारण प्रभावित किसानों की सुविधा के दृष्टिगत प्रदेश सरकार ने क्षतिपूर्ति पोर्टल सभी गांवो के लिए 15 सितंबर तक किसानों के लिए खुला रखने के आदेश जारी किए हैं। इस पोर्टल पर किसान अपने खेतों में हुई फसल खराबी और जलभराव की स्थिति को दर्ज करा सकते हैं। उपायुक्त मनदीप कौर ने कहा कि किसान पोर्टल पर अपना आवेदन दर्ज करते समय सही-सही विवरण भरें।

मोटरसाइकिल फिसलने से युवक की मौत

फतेहाबाद। शहर से सटे गांव धांगड़ और बीघड़ के बीच सोमवार को हुए सडक़ हादसे में एक युवक की मौत होने का समाचार है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय वकील पुत्र धनाराम के रूप में हुई है। मृतक वकील, ग्राम महरना निवासी था और उसके दो छोटे बच्चे हैं। मिली जानकारी के अनुसार वकील मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। घटना के समय वकील अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया।

गांजा तस्करी मामले में मुख्य सप्लायर काबू

फतेहाबाद। भुना थाना पुलिस ने एक नशा सप्लायर को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी उप-निरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि एक मई को पुलिस टीम फतेहाबाद से भूना रोड पर गांव बरसीन के पास मौजूद थी। इसी दौरान एक मुखबिर खास ने सूचना दी कि हन्सरूप सिंह उर्फ सुनील कुमार पुत्र धर्मपाल उर्फ पाला, निवासी जाण्डली खुर्द, जो अपने गांव में साहिल टायर पंक्चर की दुकान चलाता है, वह दुकान पर गांजा बेचने का काम भी करता है।

बाढ़ पीड़ित जरूरतमंदों को बांटा सूखा राशन

फतेहाबाद। सामाजिक संस्था पूर्ण सोसायटी ने भूना शहर में बाढ़ ग्रस्त इलाके में पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों में सूखा राशन व बांटकर कर उनकी पीड़ा सांझी की। समाजसेवी सुरेन्द्र नायक ने हरी झंडी दिखाकर सेवा दल की टीम को भूना के लिए रवाना किया। प्रधान सन्नी बंसल व फतेहाबाद युनिट की प्रधान पायल चक्रवर्ती के नेतृत्व में पूर्ण सोसायटी की टीम दो गाडियों के साथ भूना के मॉडल टाऊन के पास बने शेल्टर होम में पहुंचे।

हेरोइन तस्करी में वांछित सप्लायर दबोचा

सिरसा। शहर थाना सिरसा पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में वांछित नशा सप्लायर आरोपी अनिल कुमार निवासी लाडवी जिला हिसार को गिरफ्तार किया है। इस मामले में 30.20 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। जिसने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने कुछ हेरोइन आरोपी प्रदीप कुमार पुत्र कृष्ण कुमार निवासी सदलपुर जिला हिसार को बेची थी। आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है।

महिला से मारपीट के मामले में तीन गिरफ्तार

फतेहाबाद। महिला से मारपीट और छेड़छाड़ करने के मामले में रतिया पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतीश कुमार पुत्र देशराज, देशराज पुत्र गजन राम और गोविंद लाल पुत्र देशराज निवासी मलवाला के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने बताया कि इस बारे पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 29 जुलाई को खेत से लौटते समय उपरोक्त तीनों आरोपियों ने उसका रास्ता रोककर गाली-गलौच और मारपीट की।

भादो का महीना फतेहाबाद के नागरिकों के लिए आफत भरा

घग्गर का जलस्तर थमने और बरसात न होने से तटवर्ती क्षेत्रों के किसानों और प्रशासन को राहत

भट्टूकलां के गांव जांडवाला बागड़ की हिसार मल्टीपेपर घग्गर लिंक चैनल ड्रेन टूटने से 2 हजार एकड़ भूमि जलमग्न हो गई

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सोमवार का दिन जिलावासियों व प्रशासन के लिए राहत लेकर आया है। पिछले 15 दिनों से हो रही बरसात सोमवार को नहीं हुई। उधर दो दिनों से घग्गर का जलस्तर थमा रहा। यानि कि पीछे बरसात न होने से घग्गर का जलस्तर जस का तस है। जलस्तर में न बढ़ोतरी हुई और न कमी आई है। ऐसा में माना जा सकता है कि अगर पीछे बरसात नहीं होती तो जलस्तर में कमी आएगी। हालांकि गुहला चीका में जलस्तर में वृद्धि हुई है। यहां सोमवार शाम को 53695 क्यूसिक बहाव दर्ज किया गया। बीती रात भट्टूकलां के गांव जांडवाला बागड़ हिसार मल्टीपेपर घग्गर लिंक चैनल ड्रेन टूटने से करीब 2 हजार एकड़ भूमि जलमग्न हो गई। इस बार भादो का महीना फतेहाबादवासियों के लिए आफत भरा रहा है। फतेहाबाद के पंजाब सीमा से सटे जाखल से गुजरती घग्गर नदी का चांदपुरा साइफन प्रतिदिन किसानों को डरा रहा है। दरअसल यहां उफनती घग्गर किसानों की सांसे बढ़ा रही है। वहीं भूना में भारी बारिश से 10वें दिन भी पानी भरा रहा। हालांकि यहां थोड़ी राहत मिली है। उधर राजस्थान सीमा से सटे जिले के एक सिरे रामसरा में ड्रेन टूटने के बाद सोमवार को जांडवाला बागड़ में ड्रेन में कटाव हो गया। यहां पर दोनों गांवों की 2 हजार एकड़ भूमि जलमग्न हो गई। जांडवाला से चांदपुरा करीब 90 किलोमीटर की दूरी पर है।

गुहला चीका में जलस्तर में हुई वृद्धि

भूना में भारी बारिश से 10वें दिन भी पानी भरा

रतिया। शहर से गुजरती घग्गर नदी। *फोटो: हरिभूमि*

जलनिकासी के लिए प्रशासन जुटा हुआ

फतेहाबाद में बारिश से, सेमनाला टूटने से इस समय नरमे की करीब 90 हजार एकड़ फसल खराब हो गई है। भट्टू व फतेहाबाद के सेमग्रस्त 24 गांवों में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। यहां पर पहले से ही बरसाती पानी सूख नहीं रहा, ऊपर से ड्रेन टूटने से किसानों को उजाड़ कर रख दिया है। बता दें कि भूना में जलनिकासी के लिए अभी भी प्रशासन जुटा हुआ है। रविवार को सीएम ने जिले का दौरा किया लेकिन बतातें है कि भूना में विरोध की सूचना के चलते सीएम यहां नहीं पहुंचे। इससे पूर्व सरकार ने यहां की डीसी को तबदील कर दिया।

जांडवाला बागड़ में टूटा सेम नाला एसएचओ ने पहुंचकर संभाला मोर्चा

■ गांव को डूबने से बचाया

फतेहाबाद। सोमवार रात गांव जांडवाला बागड़ के समीप स्थित सेम नाला अधिक पानी की वजह से टूट गया, जिससे गांव की फसलें और बस्ती डूबने के खतरे में आ गईं। सूचना मिलते ही थाना भट्टू कलां के एसएचओ उपनिरीक्षक राधेश्याम ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उच्चाधिकारियों को तुरंत सूचित किया और स्वयं अपनी टीम सहित मौके पर पहुंच गए। पुलिस नें स्तिथि संभाली।एसएचओ राधेश्याम ने तुरंत समाज सेवा संगठन के सेवादारों से संपर्क साधा और ग्रामीणों के साथ मिलकर टूटे सेम नाले को बांधने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया। पुलिसकर्मी, ग्रामीण और सेवादार पूरी रात बोरीयों, मिट्टी और अन्य साधनों की मदद से नाले के टूटे हिस्से को बंद करने में जुटे रहे। अंततः अथक प्रयासों से गांव को डूबने से बचा लिया गया।

हिसार-घग्गर ड्रेन में आई दरार को 12 घंटों में बांधा

■ रातभर जुटे रहे ग्रामीण और डेरा सेवादार

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

भट्टू क्षेत्र के गांव जांडवाला में रविवार देर रात को हिसार घग्गर ड्रेन टूटने से किसानों में हडकंप मच गया। ड्रेन टूटने से पानी तेजी से खेतों में फैलने लगा। देखते ही देखते काफी संख्या में किसान मौके पर इकट्ठा हो गए और ड्रेन में आई दरार को भरने का काम शुरू कर दिया। रातभर ग्रामीण ड्रेन को बांधने में जुटे रहे और सोमवार सुबह करीब 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ड्रेन में आई दरार हो भरा जा सका। इस काम में डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों ने भी जी-जान से सहयोग दिया। ड्रेन में आई दरार भरने से पानी का बहाव खेतों से तरफ रूक गया। अब ग्रामीण ड्रेन के तटबंधों को मजबूत करने में लगे हैं ताकि भविष्य में दोबारा ऐसी नौबत न आए।

40 फुट की आई दरार

मिली जानकारी के अनुसार गांव जांडवाला में रविवार रात को अचानक हिसार घग्गर ड्रेन में करीब 40 फुट की दरार आ गई। इतनी बड़ी दरार से ड्रेन का पानी खेतों की तरफ तेजी से बहना लगा और गांव जांडवाला व रामसरा की करीब 2 हजार भूमि जलमग्न हो गई। ड्रेन टूटने की खबर मिलते ही ग्रामीणों में हडकंप मच गया और काफी संख्या में किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए मौके पर पहुंच गए। ड्रेन में दरार की सूचना मिलते ही डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों की टीम भी मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों के सहयोग से ड्रेन में आई दरार को भरने का काम शुरू कर दिया। रात को ही एसडीएम राजेश कुमार, सिंचाई विभाग के एक्सईएन एनके भोला व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद जेसीबी व पोकलेन मशीन मुहैया करवाई गई जिसकी मदद से दरार को भरने का काम शुरू किया गया।

गोगामेड़ी मेले का विधिवत समापन

■ महीने में 20 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, 8 करोड़ 87 लाख रुपए का आया चढ़ावा

हरिभूमि न्यूज ⏭चोपटा

सिरसा जिला के साथ लगते राजस्थान के राजकीय आत्मनिर्भर मंदिर श्री गोगाजी गोगामेड़ी मेला वर्ष 2025 का रविवार शाम को भाद्रपद पूर्णिमा पर औपचारिक समापन हुआ। भादरा विधायक संजीव बेनीवाल ने देवस्थान विभाग द्वारा पहली बार लगे रैन बसेरे की शानदार व्यवस्था की तारीफ की, उन्होंने कहा कि मेला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, सामाजिक संगठन और सभी धर्मशालाओं ने मिलकर मेला की शानदार व्यवस्था की। अगले वर्ष और अधिक बजट लाने की घोषणा की। इसके साथ ही पशु मेला का भी समापन किया गया। मेला मजिस्ट्रेट राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि देश के कोने कोने से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं गोगामेड़ी मेला आस्था और श्रद्धा का केंद्र है, मेला की सुचारु व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी धार्मिक और सामाजिक के संस्थानों ने अच्छा सहयोग दिया।

पंजाब में बाढ़ के कारण भक्तों की संख्या रही कम

इस वर्ष मेले में पंजाब में आई बाढ़ के कारण दूसरे पखवाड़े में श्रद्धालुओं की संख्या कुछ कम रही, फिर भी लगभग 20 लाख श्रद्धालु गोगामेड़ी पहुंचकर जाहरवीर गोगाजी के दर्शन किए। आय के मामले में इस बार रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। दान पात्रों व रसीदों से पिछले वर्ष 2,12,55,520 रुपए की आय हुई थी, जबकि इस बार यह बढक़र 3,09,50,596 रुपए (7 सितंबर तक की गणना अनुसार) हो गई है। अभी 20 से 25 लाख रुपए की राशि की गणना शेष है। अस्थाई भूखंडों एवं अन्य स्रोतों से हुई आय को मिलाकर अब तक कुल आय 8.87 करोड़ रुपए दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष के 7.71 करोड़ रुपए से कहीं अधिक है। जिला प्रशासन और देवस्थान विभाग ने इस बार यात्रियों की सुविधा के लिए कई नवाचार किए, जिनका व्यापक असर दिखाई दिया। मंदिर परिसर में लगभग 850 फीट स्थायी स्टील बेरिकेटिंग बनाई गई, जिससे श्रद्धालुओं को धूप व बारिश से राहत मिली और चैन स्नैचिंग व पर्स चोरी की घटनाओं पर भी रोक लगी।

पंजाब में सहायता के लिए भेजी राहत सामग्री

■ हैल्पिंग हैंड ट्रस्ट कालांवाल ने की बाढ़ पिड़ितों की मदद

हरिभूमि न्यूज ⏭कालांवाली

हैल्पिंग हैंड ट्रस्ट कालांवाली द्वारा लोगों की सहायता से पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए के लिए राहत सामग्री से भरा वाहन सोमवार को फाजिल्का जिला के क्षेत्र के लिए रवाना हुआ। जिनमें खाद्य सामग्री, दवाईयां, स्वच्छ जल, पशुओं के लिए दवाईयां व अन्य सामग्री आदि शामिल हैं। हैल्पिंग हैंड ट्रस्ट के प्रधान लखबीर सिंह व गुरूद्वारा कलंगीधर साहिब के सेवादार अवतार सिंह ने बताया कि लोगों की सहायता से बाढ़ पीडित परिवारों के लिए गुरूद्वारा कलंगीधर साहिब में राहत सामग्री एकत्रित की गई। जिसे आज गुरूद्वारा में अरदास करने के बाद फाजिल्का क्षेत्र की ओर रवाना किया। उन्होंने बताया कि सभी लोगों को अपने जीवन यापन और परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति भी हर संभव सहयोग कर दायित्व अदा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब में बहुत बड़ी आपदा के कारण वहां के लोगों का जीवन यापन एवं रोजगार छिन्न-भिन्न होकर रह गया है उन्हें पुनः जीवन यापन के लिए कड़ी मेहनत के साथ-साथ समाज के लोगों के सहयोग की जरुरत रहेगी।

सिरसा। राहत सामग्री लेकर रवाना होते हुए सेवादार। *फोटो: हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस मौके पर गुरू गोबिंद सिंह स्पोर्टस कल्ब पक्का शहीदां के प्रधान इकबाल सिंह, अवतार सिंह, हीरा सिंह अरनेजा, टीटू सिंह, डॉ गग्गू सिंह असीर, कुलदीप सिंह तख्तमल आदि मौजूद रहे।

सीवरेज ओवरफ्लो को लेकर गलीवासियों ने जताया रोष

■ समस्या का शीघ्र समाधान करवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭कालांवाली

शहर के वार्ड नंबर एक में गली पूर्व पार्षद रोशन डाबला वाली में सीवरेज ओवरफ्लो से गली में जलभराव की स्थिति पैदा होने से गलीवासियों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। जिसको लेकर सोमवार को गलीवासियों ने विभाग के प्रति रोष जताते हुए उक्त समस्या का शीघ्र समाधान करवाने की मांग की। गलीवासी महेंद्र कुमार, सागर कुमार, ममता रानी, आरती रानी, सुरेश कुमार, सरिता रानी आदि ने कहा कि विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण गली में सीवरेज व्यवस्था का बुरा हाल होने के कारण बीमारिया फैलने का भय बना रहता है।

सिरसा। सीवरेज ओवरफ्लो से गली में जमा दूषित पानी।

अधिकारियों को कराया अवगत

विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत करवा चुके है लेकिन आज तक समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि विभाग के कर्मचारी एक बार सीवरेज को ठीक करके चले जाते है ओर एक दो दिनों बाद वहीं दिक्कत पेश आ जाती है। उन्होंने कहा कि गली में दूषित पानी के जलभराव के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना दुभर हो गया है।

धर्मशाला रोड पर बिना जांच सड़क तोड़ी, जनता में आक्रोश

फतेहाबाद। धर्मशाला रोड पर बरसाती पानी पाइपलाइन की जांच किए बिना ही एसीबी (एंटी करप्शन ब्रांच) ने सडक तोड़ दी और उसे बीच में अधूरा छोड़ दिया। इससे स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। टूटी सडक के कारण आवागमन बाधित हो गया है, खासकर बारिश के मौसम में कीचड़ और जलभराव की स्थिति और गंभीर हो जाती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बिना जांच के की गई इस कार्रवाई से साफ़ होता है कि प्रशासन ने लापरवाही बरती है। सडक आधी- अधूरी टूटी होने से यातायात जाम हो रहा है और कई जगह दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। प्रशासन द्वारा अभी तक कोई मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है, जिससे लोगों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि संबंधित विभाग तुरंत वहां पहुंचकर सडक का पुनर्निर्माण करें और पाइपलाइन की उचित जांच कर स्पष्टता लेकर आएं। वहीं प्रशासन से भी उम्मीद की जा रही है कि वे इस मामले में शीघ्र कदम उठाएंगे ताकि जनता को राहत मिल सके।

हिसार मल्टीपर्पज चैनल ड्रेन के टूटने पर विधायक दौलतपुरिया ने डीसी को जिम्मेदार ठहराया

वर्तमान उपायुक्त मनदीप कौर का तबादला चिंता का विषय: रमेश कुमार

पंचायतों ने सीएम को लिखा पत्र, फतेहाबाद की डीसी मनदीप कौर का ट्रांसफर रोकने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

डीसी मनदीप कौर का तबादला रोकने की मांग को लेकर आधा दर्जन से अधिक गांवों की पंचायतों ने सीएम को पत्र लिखकर डीसी का तबादला रोकने की मांग की है। इन ग्राम पंचायतों में ढाणी ईसर-ढाणी ढाका, नूरकी अहली, खुंबर, चनकोठी, अजीत नगर गंदा, अलावलवास, खैरपुर, मलवाला सहित अनेक पंचायतें शामिल हैं। बता दें कि शनिवार को आईएएस अफसरों की आई ट्रांसफर लिस्ट में फतेहाबाद की डीसी मनदीप कौर का नाम भी था। उन्हें फतेहाबाद से ट्रांसफर करके ह्यूमन रिसोर्सेज डिपार्टमेंट का डायरेक्ट बनाया गया है। उनके स्थान पर डॉ.विवेक भारती को फतेहाबाद का नया डीसी लगाया है। हालांकि, अभी तक डॉ. भारती ने कार्यभार नहीं संभाला है।

सीएम को लिखे पत्र में नूरकी अहली सरपंच बिमला रानी, चनकोठी सरपंच खुशवंत सिंह, मलवाला सरपंच रणजीत, अलावलवास सरपंच विक्रम सिंह, अजीत नगर गंदा के सरपंच रमेश कुमार आदि ने कहा है कि फतेहाबाद जिला इन दिनों भीषण बाढ़ की चपेट में है। जन-जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका है। कई गांव जलमग्न है, आवागमन बाधित है। ऐसे विकट समय में जब प्रशासनिक नेतृत्व की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, तब वर्तमान उपायुक्त का तबादला चिंता का विषय है। डीसी मनदीप कौर इस आपदा की स्थिति में न केवल प्रभावी रूप से काम कर रही है बल्कि राहत कार्यों में तत्परता और संवेदनशीलता के साथ लोगों की सहायता कर रही हैं।

डीसी मनदीप कौर।

डीसी के खिलाफ की थी सख्त टिप्पणी

विधायक ने डीसी के खिलाफ की थी सख्त टिप्पणी भट्टू खंड के गांव रामसरा में हिसार मल्टीपर्पज चैनल ड्रेन के टूटने पर फतेहाबाद से कांग्रेस विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने डीसी को जिम्मेदार ठहराया था। दौलतपुरिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी थी कि ना कोई तैयारी ना कोई मदद, वो का वो मंजर हर साल। पहले भूना अब रामसरा, अगला कौन। आपको गलती की किस किस को कीमत चुकानी होगी उपायुक्त महोदया। विधायक ने इस पोस्ट में सीएम नायब सैनी व सीएम कार्यालय को भी टैग किया था।

रतिया में चूरापोस्त सहित महिला काबू असल सप्लायर को भी किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए जिलेभर में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना शहर रतिया पुलिस ने महिला आरोपी को काबू कर उसके कब्जे से 2 किलो 10 ग्राम चूरा डोडा पोस्त बरामद किया है। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने नशे की असल सप्लायर महिला को भी गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। थाना शहर रतिया प्रभारी उप निरीक्षक रणजीत सिंह ने बताया कि एएसआई हरपाल सिंह पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। इस दौरान सहनाल रोड स्थित हैफेड गोदाम के पास एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में पुलिस टीम को देखकर तेज कदमों से मुडकर जाने लगी। पुलिस ने शक के आधार पर महिला को रोका और काबू किया। पूछताछ में उसकी पहचान सतपाल कौर उर्फ पाल कौर पत्नी रणजीत सिंह निवासी ढाणी जाखन दादी, वार्ड नंबर 4, रतिया के रूप में हुई। महिला को नियमानुसार नोटिस देकर, एक राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी ली गई। इस दौरान उसके थैले की तलाशी में 2 किलो 10 ग्राम चूरा डोडा पोस्त बरामद हुआ।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि सहेली

रोहतक, मंगलवार
9 सितंबर 2025

लैट रिलेशनशिप
दूर रह कर साथ रहने का अहसास

लैट रिलेशन यानी दूर रहकर भी करीब रहने के अहसास के साथ रिश्ता बनाए रखने का चलन, तकनीकी सुविधाएं बढ़ने के बाद अपने देश-समाज में बढ़ रहा है। हालांकि इस तरह रिश्ते निभाने में कई तरह की सहूलियतें मिलती हैं लेकिन इसमें कुछ चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह रिश्ता तभी सहज ढंग से चल सकता है, जब पति-पत्नी दोनों इसके लिए मानसिक रूप से तैयार हों।

कवर स्टोरी
सरस्वती रमेश

हमारे समाज में शादी के बाद पति-पत्नी अमूमन साथ रहते हैं। अगर पति शहर के बाहर नौकरी या बिजनेस करता है तो शादी होते ही या कुछ समय बाद पत्नी भी उसके पास जाकर रहने लगती है। चाहे पत्नी को इसके लिए अपनी नौकरी ही क्यों न छोड़नी पड़े। कम से कम 90 प्रतिशत मामले में ऐसा ही होता रहा है। असल में शादी का मतलब ही होता है एक-दूसरे के साथ रहना और साथ निभाना। लेकिन आज के दौर में विवाह की यह पारंपरिक सोच बदल रही है। इस नई सोच के मुताबिक पति-पत्नी एक-दूसरे का साथ जरूर निभा रहे हैं, लेकिन एक-दूसरे के साथ रहे बिना। जी हां, लिविंग अपार्ट टुगेदर (लैट) यानी दूर रह कर साथ रहना, आजकल के शादी-शुदा कपल्स के बीच तेजी से बढ़ता ट्रेंड है। वैसे तो यह अवधारणा पश्चिमी देशों से आयातित है। लेकिन हमारे देश में भी यह तेजी से बढ़ रहा है।

क्या है लैट रिलेशन: जब शादीशुदा जोड़े शारीरिक रूप से एक साथ रहने की बजाय दूसरे शहर, राज्य या देश में रहकर भी दांपत्य रिश्ते में बंधे रहना स्वीकार करते हैं तो इसे लैट रिलेशनशिप कहा जाता है। अब तो कपल्स एक ही शहर में अलग-अलग घरों में रहने का विकल्प भी चुन रहे हैं। कई बार साथ रहने की सुलभता के बावजूद दूर रहना वो स्वेच्छा से चुन रहे हैं। इसके पीछे का तर्क यह दिया जा रहा है कि इससे उनके रिश्ते में नई ऊर्जा मिलती रहेगी। किसी से कभी-कभी मुलाकात होने पर हम उससे अतिरिक्त उत्साह से मिलते हैं, जबकि रोज मिलने वालों के साथ मिलने का उत्साह खत्म-सा हो जाता है। लेकिन यह लैट रिलेशन का कोई अकेला कारण नहीं है, और भी वजहें हैं।

ट्रेंड बढ़ने की वजहें: कई शोधों से यह साबित हो चुका है कि आज की पीढ़ी में सहन करने की क्षमता कम हुई है। उनमें छोटी-छोटी बातों को लेकर एग्रेशन बढ़ा है। पति-पत्नी को भी गीला तौलिया बेड पर रखने, एसी का टेंपरेचर कम/ज्यादा करने या घर के छोटे-मोटे कामों के बंटवारे को लेकर झगड़ते हुए देखा जा सकता है। पश्चिमी देशों में लैट रिलेशन की यह भी एक बड़ी वजह है, लेकिन हमारे देश में इसकी बड़ी वजह है, पति-पत्नी के करियर और जॉब से जुड़ी जरूरतें। ज्यादातर मामलों में पति और पत्नी अलग-अलग प्रोफेशन से जुड़े होते हैं। उनकी जरूरतें, ऑफिस टाइमिंग, वर्किंग फील्ड सब कुछ अलग होता है। एक समय ऐसी परिस्थिति में पत्नी सहजता से अपनी नौकरी छोड़ कर अपने पति के साथ रहना स्वीकार कर लेती थी। आज भी अधिकतर मामलों में ऐसा ही होता है, लेकिन अपने करियर के लिए समर्पित महिलाएं शादी के बाद भी अब जॉब छोड़ना स्वीकार नहीं कर रही हैं। बल्कि पति से दूर रहकर अपने सपनों को पूरा करने में लगी हुई हैं। पति भी अपने जीवन साथी की भावनाओं को समझते हुए उन्हें ऐसा करने में सहयोग कर रहे हैं। रिश्तों को निभाने के लिए पारंपरिक शर्तें अब कोई शर्त नहीं रही। जोड़े अब अपनी सुविधा से अपने नियम बना रहे हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि दूरी एक-दूसरे के प्रति लगाव और प्रशंसा की भावना बढ़ाती है।

खुद पर फोकस: ज्यादातर मामलों में पति-पत्नी का नेचर, पसंद, हॉबीज, जिंदगी के प्रति नजरिया सब अलग-अलग होते हैं। शादी के बाद अमूमन हर व्यक्ति को अपने पार्टनर का ख्याल रखना पड़ता है, चाहे वह स्त्री हो या पुरुष। जैसे पसंद का खाना, हॉबीज, मत, जरूरतें आदि। ऐसे में खुद की इच्छा कहीं पीछे छूट जाती है। लेकिन लैट रिलेशन में व्यक्ति खुद पर पूरा फोकस करता है, साथ ही अपने पार्टनर को खुद पर फोकस करने का पूरा मौका भी देता है। इसके अलावा आज की पीढ़ी के लिए पर्सनल स्पेस एक बड़ी जरूरत बन चुकी है। संयुक्त या एकल परिवारों में रह रहे महिला और पुरुष भी अब पर्सनल स्पेस चाहते हैं। थोड़ा या कुछ ज्यादा समय, जो सिर्फ उनका हो। ऐसी परिस्थितियां जिनमें शारीरिक या भावनात्मक रूप से किसी की टोका-टोकी या खलल न हो, वे अपनी मर्जी से जी सकें। व्यक्तित्व के समुचित विकास के लिए आज यह पर्सनल स्पेस काफी महत्वपूर्ण बन चुका है। लैट रिलेशन में रह रहे जोड़ों की बिन मांगे यह मुराद पूरी हो रही है।

विदेश में शादियां: अब मध्यवर्ग की लड़कियां भी एनआरआई दूल्हे के सपने देख रही हैं। लेकिन यदि लड़की अपने देश में ही किसी अच्छी जॉब में है तो शादी के बाद भी यहीं रुकना उसकी मजबूरी है। ऐसे कपल्स दूर रहकर भी लैट रिलेशन में अपने रिश्ते को बनाए रखते हैं। बीच-बीच में कुछ समय साथ बिताते हैं और फिर अलग हो जाते हैं। ऐसे संबंधों का सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब जीवन साथी साथ न रहे, तो जिम्मेदारियों, काम के बंटवारे को लेकर बार-बार की एडजस्टमेंट नहीं करनी पड़ती। इससे किटपिट कम होती है। साथ ही यदि कोई लड़की शादी के बाद भी अपने माता-पिता के साथ रहकर उनकी देखभाल करना चाहे तो इस रिलेशन में रहकर वह कर सकती है।

चुनौतियां: अलग-अलग रहकर साथ होने के अपने नुकसान भी हैं। लैट रिलेशन कुछ खास तरह के जोड़ों के लिए उपयोगी हो सकता है, लेकिन ज्यादातर के लिए नहीं।

आर्थिक भार: पहली बात तो यह कि ऐसी अवधारणा को मूर्त रूप सिर्फ अमीर लोग ही दे सकते हैं। दो घर यानी दो अलग-अलग गृहस्थियां चलाना महंगा पड़ता है। लैट रिलेशन में पति-पत्नी अपने इनकम को पूरी तरह अपने मुताबिक खर्च कर सकते हैं, लेकिन आगे परिवार बढ़ाने की प्लानिंग और बचत जैसे मुद्दों पर एक-दूसरे का आर्थिक सहयोग और साथ चाहिए होता है। दूसरी बात, इस तरह लंबे समय तक रहना व्यावहारिक नहीं जान पड़ता।

भावनात्मक दूरी: कहते हैं पति-पत्नी के बीच छोटी-मोटी तकरार उनके संबंध को और गहरा बनाती है, लेकिन जब मिलना ही नहीं होगा तो तकरार और दांपत्य की छोटी-छोटी खुशियां और गम भी एक-दूसरे से साझा नहीं हो पाएंगे। इस तरह लंबे समय तक अलगाव भावनात्मक दूरी भी बढ़ा सकती है।

अकेलेपन की समस्या: देखा जाए तो लैट रिलेशन अकेलेपन या अलगाव की भावनाओं को और बढ़ा सकता है। खासकर यदि व्यक्ति किसी अपरिचित स्थान पर हो और उसका कोई मजबूत सामाजिक दायरा न हो। वैसे भी आजकल की पीढ़ी काम की अधिकता और जीवन की जटिलताओं के कारण डिप्रेशन में चली जा रही है। अकेले रहने से पति-पत्नी एक-दूसरे को भावनात्मक संबल नहीं दे पाते हैं। इससे उनका आपसी जुड़ाव कमजोर होता है।

कब-कैसे हुई लैट रिलेशन की शुरुआत

सुनने में लैट रिलेशन टर्म हमें जितना नया लग रहा है, असल में यह इतना नया है नहीं। इसकी शुरुआत 1970 के दशक में नीदरलैंड में हुई थी। सबसे पहले इस टर्म को 'फ्रैंक एन इवा' फिल्म में दिखाया गया था। फ्रैंक और इवा न तो साथ रह पा रहे थे, न ही अलग होना चाहते थे। तब दोनों ने रिश्ते में रहते हुए दूर-दूर रहने का फैसला किया। अंग्रेजी भाषा में यह फिल्म 'लिविंग अपार्ट टुगेदर' नाम से रिलीज हुई थी। वहीं से यह शब्द मिला। लैट रिलेशन में पति-पत्नी शारीरिक रूप से दूर रहने के बावजूद भावनात्मक रूप से दांपत्य बंधन में बंधे हुए होते हैं। विज्ञान और तकनीक की प्रगति ने इस चलन को बढ़ावा दिया है। चूंकि आज हजारों किलोमीटर दूर रहते हुए भी मोबाइल इंटरनेट के माध्यम से जुड़े रहना संभव हो गया है, इसलिए ऐसे संबंधों को जरूरी ईंधन मिलता रहता है। भारतीय समाज में देखें तो यह शब्द अभी नया है, प्रचलन में नहीं है। अनेक पुरुष अपनी पत्नियों को गांव, कस्बे में छोड़कर रोजगार के लिए शहरों में चले जाते हैं। कई बार तो वो विदेशों में कमाने के लिए चले जाते हैं, कई वर्षों बाद वापस आते हैं। मतलब दूर रहते हुए भी अपने रिश्ते को जीवित रखते हैं।

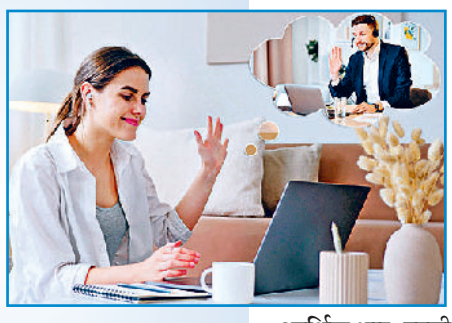

खिलौनों को लेकर रहें सजग

आजकल बाजार में मिलने वाले प्लास्टिक या धातु के खिलौने बच्चों के स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो रहे हैं। ये खिलौने ऑटिज्म को बढ़ा रहे हैं। इसलिए जरूरी हो गया है, बच्चों को पैरेंट्स लकड़ी, मिट्टी, कपड़े और धागे से बने परंपरागत देसी खिलौने दें, जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं हैं।

बच्चे और आप
डॉ. मोनिका शर्मा

बीते दिनों एम्स द्वारा किए गए रिसर्च में सामने आया कि ऑटिज्म पीड़ित बच्चों के शरीर में लेड, क्रोमियम, मर्करी, मैंगनीज, कॉपर, आर्सेनिक, कैडमियम जैसे भारी धातु पाए गए हैं, जो कि बच्चों में ऑटिज्म बीमारी बढ़ने का कारण बन रहे हैं। पैरेंट्स को ध्यान देना होगा कि स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली ये धातुएं प्रदूषित भोजन, सिगरेट के धुएं, प्रदूषित हवा, औद्योगिक कचरे और खिलौनों के जरिए बच्चों के शरीर में पहुंच रही हैं। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि अध्ययन में ऑटिज्म से पीड़ित 3 से 12 साल के 180 बच्चों और 180 स्वस्थ बच्चों को शामिल किया गया। इनमें 32 प्रतिशत ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में 7 तरह के हेवी मेटल्स ज्यादा पाए गए, जबकि स्वस्थ बच्चों में यह समस्या नहीं मिली। ऐसे में पैरेंट्स का बच्चों के शरीर में पहुंचते नुकसानदेह रसायनों और धातुओं को लेकर जागरूक रहना आवश्यक है। देखने में आता है कि खिलौनों से बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर आज भी अवेयरनेस की कमी है।

ट्रेडिशनल खिलौने दें: बच्चों को खिलौनों से दूर नहीं किया जा सकता। बालमन के मनोरंजन और खेलने के लिए खिलौने जरूरी हैं। ऐसे में जागरुकता के साथ, जज्बाती जुड़ाव के इस मोर्चे पर हमारा परंपरागत खिलौनों की ओर लौटना जरूरी है। लकड़ी, मिट्टी, कपड़े और धागे जैसे सामानों से बने देसी खिलौने ना केवल परंपरा वाहक हैं। बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवनशैली को समझने का जरिया भी हैं। इनसे बच्चों के स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं होता। वहीं प्लास्टिक और अन्य सामानों से बने विदेशी खिलौनों में मौजूद रसायन बच्चों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक होते हैं। बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। यही वजह है कि सेहत सहेजने और बच्चों को सहज और संवेदनशील जीवनशैली का पाठ पढ़ाने के लिए परंपरागत खिलौनों की बहुत अहमियत है। हमारे अधिकतर देसी खिलौने ग्रामीण जन-जीवन की झलक और प्रकृति से जुड़ाव का सबक लिए होते हैं। ट्रेडिशनल खिलौने बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ ही जमीनी जुड़ाव और समझ को पोषित करने वाले साथी बन सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए कैसे हानिकारक हैं खिलौने: परवरिश के कई संजीदा पक्ष खिलौनों से जुड़े हैं। बाल स्वास्थ्य से जुड़े अनगिनत जोखिमों के बावजूद प्लास्टिक या धातु के खिलौने बच्चों के हाथ में थमा दिए जाते हैं। अब तो बाजार इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों से भी अटा पड़ा है। देखने में आता है कि नुकसानदेह रसायन ही नहीं, कई तरह की तकनीक से लैस स्वचालित खिलौने बच्चों की मनः स्थिति पर भी दुष्प्रभाव डालते हैं। खिलौने बच्चों की शारीरिक-मानसिक सेहत को कई तरह से प्रभावित करते हैं। इसीलिए इस विषय में डॉक्टर से भी चर्चा करनी चाहिए। कई बार तो कुछ खास तरह के इंफेक्शन का कारण मुंह में डाले जाने वाले खिलौने भी होते हैं। दांत निकलने के समय तो बच्चे खिलौने को खूब चबाते हैं। मुंह में डालने से कई तरह के वायरस और बैक्टीरिया के बच्चों के शरीर में जाते हैं। ऐसे में गंदे खिलौनों से पेट और मुंह के इंफेक्शन ही नहीं, स्किन इंफेक्शन की समस्या भी हो सकती है। बीमार होने पर बच्चों के टॉयज की डॉक्टर को भी जानकारी दें। घर में भी खिलौनों की साफ-सफाई को लेकर सजग रहें। स्वच्छ रखें और कभी-कभी धूप भी दिखाएं।

बागवानी
अनु आर.

अगर आप चाहती हैं कि आने वाली सर्दियों में अपने गार्डन में उगी ताजी, ऑर्गेनिक और तरह-तरह की सब्जियों का आनंद लें तो इसी महीने कुछ सब्जियों के बीज बो दें। आप कौन सी सब्जियां कैसे लगा सकती हैं, दे रहे हैं कुछ उपयोगी सलाह।

इसी महीने बो दें इन सब्जियों के बीज

मानसून का अंतिम महीना माना जाता है सितंबर माह को, जब वातावरण में नमी बढ़ने लगती है और मौसम ठंडा होने लगता है। कई सारी सब्जियों को उगाने के लिए यह सबसे अनुकूल मौसम होता है। ऐसे में हम आपको बताते है, कुछ ऐसी सब्जियों के बारे में, जिन्हें आप इस माह अपने गार्डन में उगा सकती हैं। इस माह में आप अपने गार्डन में हरी मटर, फूलगोभी, गाजर, टमाटर, ब्रोकली और मूली जैसी सब्जियों को लगा सकती हैं। इस मौसम में लगाई गई ये सब्जियां सर्दी के मौसम में तैयार हो जाएंगी।

फूल गोभी: फूल गोभी हमारे देश में पूरे साल उपलब्ध होती है और किसान इसकी खेती पूरे साल करते हैं। लेकिन मुख्य तौर पर ठंडे मौसम की फसल है। इस महीने में इसे लगाकर सर्दियों में आप अपने बगीचे में उगी गोभी का स्वाद ले सकती हैं। फूल गोभी 6 से 7 के बीच पीएच मान वाली और अच्छी निकास वाली कार्बनिक पदार्थों से भरपूर मिट्टी में अच्छी तरह पनपती है। इसकी मिट्टी को लगातार नम रखें और ज्यादा नाइट्रोजन वाली खाद डालकर इसको अच्छी तरह उगा सकती हैं।

टमाटर: सर्दी के मौसम में ताजे टमाटर खाने के लिए इसी महीने टमाटर के बीज बो दें। इसे ग्रो बैग में लगाएं, गमले में या जमीन पर। इसके लिए दोमट मिट्टी सबसे अनुकूल होती है। टमाटर की फसल बहुत जल्द तैयार हो जाती है।

ब्रोकली: हरी फूल गोभी की तरह दिखने वाली ब्रोकली की सर्दी के मौसम में बहुत मांग बढ़ जाती है। कैल्शियम और आयरन से भरपूर यह सब्जी अगर आप इस महीने में अपने घर के गार्डन में लगाती हैं तो पूरी सर्दियां आप इसका स्वाद ले सकेंगी। ब्रोकली के पौधे को कम गीली मिट्टी में ऐसी जगह पर लगाएं जहां अच्छी धूप आती हो।

हरी मिर्च: भोजन में स्वाद जगाने वाली और सेहत से भरपूर हरी मिर्च को इस माह गमलों में लगा सकती हैं। इसके दो-चार पौधों से ही काफी मात्रा में हरी मिर्च प्राप्त हो जाती हैं। इसके लिए दोमट मिट्टी बेहतरीन होती है और कुछ ही दिनों बाद पौधे में खूब सारी हरी मिर्च लगना शुरू हो जाती हैं।

मूली: मूली को अगर गमले में लगाना हो तो मिट्टी में खाद डालकर उसमें अच्छी-सी नमी लाकर गमले की मिट्टी में ऊपर से इसके बीज बिखेरें और इसमें समय-समय पर पानी देती रहें। 40 से 60 दिन के बाद मूली की फसल तैयार हो जाएगी।

गाजर: सर्दी के मौसम में सब्जी के रूप में, सलाद के तौर पर गाजर खूब खाई जाती है। इसका हलवा भी लोग चाव से खाते हैं। इसके लिए आपको इसी महीने में गाजर के बीज बो देने चाहिए। बीज बोने से पहले मिट्टी को अच्छी तरह से तैयार कर लें। इसे ऐसी जगह पर रोपें, जहां अच्छी धूप आती हो।

हरी मटर: सर्दी के दिनों में अपने गार्डन में उगी ताजा और मीठी मटर खाने का मजा ही अलग होता है। इसके लिए आपको इन्हीं दिनों में मटर बो देना चाहिए। मटर उगाने के लिए इन्हें कार्बनिक पदार्थों से भरपूर अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में बोएं। बारिश के बाद जब मौसम सूखा हो, तो इनकी बेलों को चढ़ाने के लिए डंडे या दीवार का सहारा जरूर दें। पौधों को चूहों से बचाने के लिए इन्हें जाल से कवर कर सकती हैं।

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

सूखे नीबू से स्किन बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

नीबू के छिलकों में विटामिन-सी, कैल्शियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे कई मिनरल्स के अलावा एंटी-बैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं। ये स्किन को सॉफ्ट बनाने के साथ-साथ स्किन से फाइन लाइंस, झुर्रियों, टैनिंग, मुंहासों और दाग-धब्बों को कम करने जैसी कई समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करते हैं। ताजे नीबू की तरह ही सूखे हुए नीबू के छिलकों को भी अपने ब्यूटी रुटीन में आप अलग-अलग तरीके से शामिल कर सकती हैं। नीबू के छिलके का पावडर बनाने के लिए सबसे पहले इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर धूप में सूखा लें और मिक्सर में डालकर पीस लें। अब इस मिश्रण को स्टोर करने के लिए किसी एयर टाइट कंटेनर में रख दें। आप इस मिश्रण का इस्तेमाल लिप बाम, क्लींजर या फिर फेस मास्क के लिए कर सकती हैं।

फेस पैक: नीबू के छिलके से बने फेस पैक ऑयली स्किन वाली महिलाओं को काफी राहत मिलती है। फेस पैक बनाने के लिए एक चम्मच बेसन में एक छोटा चम्मच नीबू के छिलके का पावडर और गुलाब जल मिक्स करके लगा लें और जब यह मिश्रण स्किन पर नेचुरल तरीके से सूख जाए तो इसे ताजे पानी से धो लें। इस मिश्रण के साथ आप दही का यूज भी कर सकती हैं। इस फेस पैक से आपकी स्किन और भी सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखेगी।

स्क्रब: बॉडी और फेस स्क्रब बनाने के लिए आप एक मिक्सर में थोड़ी सी चीनी, शहद और नारियल के दूध के साथ सूखे नीबू के छिलकों के पावडर को अच्छी तरह मिक्स कर लें। शहद, एक्सफोलिएशन में मदद करता है, जबकि नारियल का दूध स्किन को फ्रेश और सॉफ्ट बनाता है। चेहरे की थकावट को दूर करने के लिए येह फेस स्क्रब काफी मददगार साबित हो सकता है। नीबू में साइट्रिक एसिड होता है, जिसकी वजह से यह स्किन की ड्राई सेल्स में जमी परत को एक्सफोलिएट करता है। इसे लगाने से त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है। शहद में पाए जाने बाले एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण मुंहासों के उपचार के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

हर्बल टी भी है कारगर: लेमन हर्बल टी बनाने के लिए सूखे नीबू को छोटे टुकड़ों में काटकर उनके छिलकों को रातभर पानी में छोड़ दें। सुबह इनके छिलकों को पानी में थोड़ी देर के लिए उबालकर इसे छान लें। इसके बाद इसे चीनी या शहद से मीठा कर सकती हैं। आप इस चाय में अदरक, तुलसी और इलायची के साथ या फिर किसी जड़ी-बूटी को भी डाल सकती हैं। इसे पीने से आपकी स्किन ग्लो करेगी और एक्सट्रा बॉडी वेट को घटाने में भी मदद मिलेगी

मेडिकल एडवाइस
डॉ. रवींद्र गुप्ता
एचओडी-इंटरनल मेडिसिन
सी. के. बिड़ला हॉस्पिटल, एनसीआर

ऐसे रहेगा कंट्रोल बैड कोलेस्ट्रॉल

अस्त-व्यस्त लाइफस्टाइल और अनहेल्दी डाइट के कारण हमारे शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने लगती है। इससे हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का रिस्क बढ़ने लगता है। क्या हैं बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण, इसके लक्षणों के साथ ही इससे बचाव के बारे में जानिए।

हमारे शरीर के सेल्स में पाया जाने वाला कोलेस्ट्रॉल नामक पदार्थ पिघले मोम की तरह चिपचिपा और वसा का ही एक रूप है। यह इतना ऑयली होता है कि पानी में नहीं घुल पाता, जिससे लिपोप्रोटीन पार्टिकल्स ब्लड फ्लो की मदद से इसे शरीर के सभी भागों में पहुंचता है। लेकिन बैड कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, नजर कमजोर होना, अल्जाइमर और शरीर में दर्द-अकड़न जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं।

कोलेस्ट्रॉल के प्रकार: हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल मौजूद होते हैं। पहला हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल), यानी गुड कोलेस्ट्रॉल। यह हार्मोंस के स्राव को नियंत्रित करना, नर्वस सिस्टम के न्यूरांस को बनाना, विटामिन की पाचन क्रिया के साथ नई सेल्स की दीवारों और विटामिन डी को बनाने में भी मदद करता है।

दूसरा लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एलडीएल), यानी बैड कोलेस्ट्रॉल। यह ब्लड वेसेल्स के अंदर की दीवारों में चिपककर उन्हें संकरा बना देता है, जिससे ब्लड फ्लो में रुकावट पैदा होने की वजह से हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, नजर का कमजोर होना और शरीर के कुछ भागों में हमेशा दर्द रहता है।

बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण : हमारे शरीर में 20 प्रतिशत बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा डायटरी, सैचुरेटेड और ट्रांस फैट से आती है, जैसे, रेड मीट, तेल, मक्खन और घी का अधिक मात्रा में सेवन करने से बढ़ता है। इसके अलावा 80 प्रतिशत फैट लिवर में तैयार होता है। मैदा, चीनी, चावल, सूजी, ओट्स, एल्कोहल, सॉफ्ट ड्रिंक्स और जंक फूड जैसी चीजों में कार्ब की मात्रा अधिक होने से लिवर इनमें मौजूद कार्ब्स को बैड कोलेस्ट्रॉल में बदल देता है। एक्सरसाइज न करना भी इसकी मात्रा बढ़ने की बड़ी वजह है।

बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण : शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर आपको अलग-अलग लक्षण देखने को मिल सकते हैं। आंखों के सफेद हिस्से पर काले या भूरे रंग का घेरा नजर आना, शरीर में अकड़न, पसीना आना, दिल की धड़कन बढ़ने के साथ सीने, कंधे और गर्दन में दर्द होने जैसे लक्षण नजर आते हैं। बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा जरूरत से अधिक बढ़ने पर यह ब्लड वेसेल्स में जमा होकर प्लाक बनाता है, जिससे ब्लड फ्लो में रुकावट के कारण दिल का दौरा और ब्रेन स्ट्रोक होने का रिस्क बढ़ सकता है।

बचाव और उपचार के तरीके

बैड कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से संबंधित कोई भी लक्षण नजर आए तो लिपिड प्रोफाइल नामक जांच अवश्य कराएं। इससे शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल का पता लगाया जा सकता है। आमतौर पर स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल 130 से कम होना चाहिए, अगर किसी की हार्ट की सर्जरी हुई है तो शरीर में इसका लेवल 100 से कम होना चाहिए। अगर किसी तरह के लक्षण नजर नहीं भी आते तब भी चालीस पार के लोगों को साल में एक से दो बार कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कंट्रोल में रखने के लिए नियमित एक्सरसाइज और वॉकिंग करें। घी, तेल, मक्खन, मैदा और बाजार में बिकने वाले जंक फूड्स जैसी चीजों को अवॉयड करें। डॉक्टर की सलाह पर दवाओं की मदद से भी इसे कंट्रोल किया जा सकता है।

प्रस्तुति: विनीता

खबर संक्षेप

जानलेवा हमला करने वाला आरोपी काबू

सिरसा। पुलिस ने जानलेवा हमला करने के आरोपी को फकीरांवाली क्षेत्र से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध पिस्तौल बरामद किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त को भी अपने कब्जे में ले लिया है। शहर थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि रणजीत सिंह निवासी शाहपुर बेगू की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। रणजीत सिंह की शिकायत पर पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए आज एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान गुरसेवक के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अब तक इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

गणपति विसर्जन से पहले निकाली शोभायात्रा

कालांवाली। जय भोले बाबा बर्फानी कावड़ संघ कालांवाली व श्री कन्या माता गरीब दास मंदिर सहित अन्य समाजिक संस्थाओं के श्रद्धालुओं द्वारा गणपति विसर्जन से पहले शहर में शोभायात्रा निकाली गई। गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चतुर्दशी तक करीब एक सप्ताह तक भक्त गणपति को अपने घरों या सर्वाजनिक स्थानों में विराजमान करते हैं। इस दौरान घरों में कुछ दिन विधिवत पूजा पाठ चलता है। शहर में इस बार कई संस्थाओं द्वारा श्री गणपति महोत्सव कार्यक्रम कार्यक्रम आयोजित किए गए। गणपति विसर्जन से पहले बरसात होने के बावजूद भी श्रद्धालुओं द्वारा शनिवार को पहले शहर में शोभायात्रा निकाली।

समाधान शिविर में आई 30 शिकायतें

सिरसा। लघुसचिवालय के सभागार व उपमंडल डबवाली, कालांवाली व ऐलनाबाद में भी समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिला में आयोजित समाधान शिविरों में कुल 30 आई। इस दौरान अधिकारियों ने सभी विभागों को समाधान शिविर में आई समस्याओं को प्राथमिकता के साथ निपटान के निर्देश दिए। सिरसा स्थित लघुसचिवालय में जिला राजस्व अधिकारी संजय कुमार ने जन समस्याएं सुनी। इसके अलावा उपमंडल स्तर पर भी संबंधित अधिकारियों ने जनसमस्याएं सुनी और समाधान के निर्देश दिए। समाधान शिविर हर सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक लगाया जाता है। कोई भी नागरिक समाधान शिविर में अपनी समस्याएं रख सकते हैं।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर काटे चालान

सिरसा। सडक़ सुरक्षा को सुनिश्चित करने व सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से जारी विशेष अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की गई। इस अभियान में बुलेट पटाखा, ध्वनि प्रदूषण, ब्लैक फिल्म, ट्रिपल राइडिंग, लाइन चेंज व ड्रंकन ड्राइव के तहत वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस अभियान के दौरान डबवाली पुलिस द्वारा मुख्य रूप से शराब पीकर ड्राइविंग के 9, ट्रिपल राइडिंग के 7 व लाइन चेंज के तहत 74, 2 ब्लैक फिल्म व एक प्रेशर हॉर्न वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की गई।

पुलिस कर्मी ने दिया ईमानदारी का परिचय

फतेहाबाद। एसपी सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में फतेहाबाद पुलिस आमजन की सेवा और विश्वास अर्जित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में थाना जाखल पुलिस की ईआरवी 223 पर तैनात एसपीओ ने ईमानदारी का परिचय देते हुए एक मोबाइल उसके असली मालिक को लौटाया। थाना जाखल की ईआरवी 223 पर तैनात एसपीओ दिदार सिंह को कडैल चौक पर एक मोबाइल फोन गिरा हुआ मिला। उन्होंने बिना देर किए मोबाइल के वास्तविक मालिक की तलाश की और उसे सुरक्षित रूप से लौटाने का निर्णय लिया। जांच के बाद मोबाइल मनप्रीत पुत्र भोला सिंह निवासी बातल कलां, पंजाब का निकला। मोबाइल पाकर उसके चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी और उसने फतेहाबाद पुलिस का आभार जताया।

ग्राम पंचायत ने डीसी को सौंपी शिकायत, आबादी क्षेत्र से दूर शिफ्ट करने की मांग

दहमान के पास निर्माणाधीन बायो-फ्यूल प्लांट पर बवाल, ग्रामीणों ने किया विरोध

आरोप- अधिकारियों की मिलीभगत से यह प्लांट सरकारी सब्सिडी हड़पने के मकसद से लगाया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

भूना। दहमान गांव के पास बन रहा बायो-फ्यूल एनर्जी प्लांट। फोटो : हरिभूमि

गांव दहमान के पास बन रहे बायो-फ्यूल एनर्जी प्लांट को लेकर ग्रामीणों और ग्राम पंचायत ने कड़ा विरोध जताया है। ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों व ग्रामीणों ने जिला उपायुक्त को शिकायत सौंपते हुए प्लांट को आबादी क्षेत्र से पांच किलोमीटर दूर शिफ्ट करने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि इस प्लांट की न तो ग्राम पंचायत से अनुमति ली गई और न ही ग्रामीणों को कोई पूर्व जानकारी दी गई, ऐसे में इसे अवैध रूप से तैयार किया जा रहा है। गांव के पूर्व चेयरमैन फूल कुमार दहिया ने बताया कि जिस स्थान पर यह प्लांट बनाया जा रहा है, उसके आसपास कई बागवानी क्षेत्र और पौधों की नर्सरियां स्थित हैं।

ऐसे में बायो-फ्यूल प्लांट के शुरू होने से न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचेगा, बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ेगा। दहिया ने कहा कि प्लांट से निकलने वाला धुआं, डस्ट, केमिकल और गंदगी इलाके में एलर्जी, सांस की बीमारियों और मच्छर-मक्खी जैसे संक्रमण फैलने का कारण बन सकती है। इसके अलावा पराली के ढेर से आग लगने का खतरा भी बना रहेगा, जिससे आसपास के बाग और नर्सरियों को नुकसान हो सकता है।

पर्यावरण की रक्षा करेंगे

ग्रामीणों ने कहा कि वर्तमान में क्षेत्र का वातावरण हरा-भरा और प्रदूषणमुक्त है, लेकिन इस प्लांट के लगने से हवा और जल दोनों दूषित होंगे। ग्राम पंचायत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगी। लेकिन अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और क्या ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से लिया जाता है या नहीं।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से यह प्लांट सरकारी सब्सिडी हड़पने के मकसद से लगाया जा रहा है। पंचायत का साफ कहना है कि जब तक ग्रामीणों की सहमति नहीं ली जाती और पर्यावरणीय प्रभाव का सही से आकलन नहीं किया जाता,

सिरसा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रानियां के विधायक अर्जुन चौटाला।

चौ. देवीलाल जयंती को लेकर इनेलो ने कसी कमर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

आगामी 25 सितंबर को रोहतक में होने वाली चौधरी देवीलाल जयंती को लेकर इनेलो ने ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में इनेलो के जिला कार्यालय में युवा इनेलो एवं इनेलो की छात्र इकाई आईएसओ की हिसार जोन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक आयोजित की गई जिसे रानियां के विधायक अर्जुन चौटाला, युवा इनेलो के प्रदेश संयोजक अरविंद गोस्वामी, इनेलो के जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने संबोधित किया। सिरसा, हिसार, फतेहाबाद, महेंद्रगढ़, दादरी, जींद व भिवानी जिलों से आए सैकड़ों युवाओं को संबोधित करते हुए विधायक अर्जुन चौटाला ने इस अवसर पर कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी इनेलो जननायक चौधरी देवीलाल की 25 सितंबर की रैली पूरी श्रद्धा से रोहतक जिले में मनाएगी और इसके लिए तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं।

ये बोले जिलाध्यक्ष

इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे पूरी ईमानदारी व अनुशासन में रहते हुए अपने दायित्व निभाएं। पंडाल में युवाओं, महिलाओं व बुजुर्गों के लिए बनाए जाने वाले सेक्टर्स में जयंती कार्यक्रम समाप्त न होने तक डटे रहें और सेवा का नया उदाहरण प्रस्तुत करें।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर युवा इनेलो के जिलाध्यक्ष भगवान सिंह कोटली, हरमीत सिंह पंडोरीवाला, गुरप्रीत सिंह गिल, प्रेम शर्मा, जेपी कंग, विकास भाट सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे।

झगड़े में महिला सहित चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

- गली में गाड़ी करने को लेकर हुआ था विवाद, लाटी-डंडों से किया हमला

गांव नागपुर में हुए मारपीट व तोड़फोड़ के मामले में थाना सदर रतिया पुलिस ने महिला सहित चार आरोपियों को काबू किया। आरोपियों की पहचान विनोद कुमार पुत्र रामकरण, रामकरण पुत्र शंकर राम, सरस्वती पत्नी रामकरण तथा संदीप कुमार पुत्र रामकरण निवासी नागपुर के रूप में हुई है।

थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने बताया कि इस बारे सुभाष चंद्र पुत्र भूप सिंह निवासी नागपुर ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि दिनांक 25 अगस्त को वह अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान विनोद कुमार ने अपनी गाड़ी गली में खड़ी कर दी, जिसको हटाने को कहने पर विवाद हो गया। मौके पर पहुंचे अन्य आरोपी रामकरण, संदीप और सरस्वती ने लाठी-डंडों व ईंटों से हमला कर सुभाष, उसकी पत्नी गीता और उसके भतीजे समीर को चोटें पहुंचाईं तथा ट्रैक्टर की लाइटें तोड़ दीं। घटना के बाद सभी घायलों को नागरिक अस्पताल रतिया ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल सुभाष और समीर को एमएएमसी अग्रोहा रेफर किया गया। प्रारंभिक जांच व गवाहों के बयानों से यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों ने जानबूझकर हमला किया और धमकियां भी दीं। इस संबंध में थाना सदर रतिया में मामला दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सिरसा। होलसेल क्लाथ एसोसिएशन के नवनियुक्त पदाधिकारी।

राजेश प्रधान और नवीन बने सचिव

- कंदोई कटरा में होलसेल क्लाथ एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

कंदोई कटरा में होलसेल क्लाथ एसोसिएशन सिरसा की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में पूर्व कार्यकारिणी को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई एवं उनके योगदान की सराहना की गई। इसके पश्चात सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया गया, जिसमें प्रधान राजेश रंगबुल्ला, उप प्रधान राजू नरूला, सचिव नवीन बंसल, सह सचिव अनिल डावर, कैशियर संदीप मेहता उर्फ बॉबी को चुना गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को अनिल मेहता, बाल कृष्ण डूमरा, मुकेश मेहता, अमित अरोड़ा, अतुल रंगबुल्ला, अतुल छाबड़ा, राजन भूटानी, गुलशन बजाज, नरेश बब्बर, नवीन गोल्डी, सुरेन्द्र गोयल, शैंकी चुघ, संजय सैनी, विकास मदान, दीपक ग्रोवर, मोनू मेहता, मदन लाल ग्रोवर एवं राजेंद्र एवं अन्य एसो. के सदस्यों ने बधाई प्रेषित की है।

फतेहाबाद पुलिस ने 6 लोगों को लौटाए उनके गुम हुए लाखों के मोबाइल फोन

साइबर थाने की मुस्तैदी से अब तक 221 मोबाइल मालिकों को सौंपे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

- मोबाइल फोन की कीमत करीब 3 लाख रुपये
- कई चेहरों पर खुशी की चमक और आंखों में आभार के आंसू साफ नजर आए
- पुलिस की सक्रियता ने उन्हें न केवल उनका फोन लौटाया बल्कि पुलिस पर दोबारा भरोसा भी कायम किया

फतेहाबाद पुलिस की साइबर टीम ने इंसानियत और इनोवेशन का मेल पेश करते हुए लाखों रुपये के गुम हुए मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंपे। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन की अगुवाई में एसपी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में करीब 3 लाख कीमत के 6 मोबाइल फोन उनके मालिकों को लौटाए गए। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार की टीम ने आईएमईआई ट्रेसिंग, डिजिटल सर्विलांस और लोकेशन ट्रैकिंग जैसे अत्याधुनिक संसाधनों की मदद से इन मोबाइलों को खोज निकाला। अब तक 221 से अधिक गुमशुदा मोबाइल साइबर थाना फतेहाबाद द्वारा बरामद कर उनके मालिकों को सौंपे जा चुके हैं।

सोमवार को जब एसपी सिद्धांत जैन ने स्वयं लाभार्थियों को मोबाइल सौंपे, तो कई चेहरों पर खुशी की चमक और आंखों में आभार के आंसू साफ नजर आए। कुछ लाभार्थियों ने तो उम्मीद ही छोड़ दी थी, लेकिन पुलिस की सक्रियता ने उन्हें न केवल उनका फोन लौटाया बल्कि पुलिस पर दोबारा भरोसा भी कायम किया। मोबाइल पाने वालों में दीप चंद निवासी भट्टूकलां, अशोक निवासी गुजरात, संतलाल निवासी झालनियां, बृजपाल निवासी जाखल, फतेहाबाद, विकास निवासी हिसार तथा विनोद कुमार निवासी फतेहाबाद शामिल हैं। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि गुम मोबाइल लौटाना सिर्फ तकनीक का खेल नहीं, यह पुलिस की संवेदनशीलता का परिचय है। फतेहाबाद पुलिस का लक्ष्य है कि हर नागरिक को यह महसूस हो कि पुलिस उनकी अपनी है हर मुश्किल में, हर मोड़ पर साथ खड़ी है।

बाढ़ व बरसात प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दे सरकार: लखविंद्र

- भारतीय किसान एकता के प्रदेश अध्यक्ष ने बरसात प्रभावित गांवों का दौरा किया
- 50 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

ये बोले किसान नेता

किसान नेता ने कहा कि गांव साहुवाला के किसानों ने अपनी नरमा, कपास, ग्वार व मूंग फसलों को दिखाया, जिसमें अभी भी दो-दो फुट पानी भरा हुआ है, जिन खेतों में पानी सूख रहा है वह भी पूरी तरह से झुलस रहे हैं। पूरे सिरसा जिले के हर गांव में फसलों की यही स्थिति है। कई गांवों में धान की फसल भी खराब हो गई है। लखविंद्र ने कहा कि हरियाणा सरकार का बयान है कि किसानों की खराब हुई फसलें सरकार की है, किसान चिंता नाकरें उनकी पूरी भरपाई करवाई जाएगी। दूसरी तरफ किसानों को ऑनलाइन पोर्टल पर उलझा रखा है। उन्होंने कहा कि किसानों को क्षतिपूर्ति पोर्टल का झुनझुना पकड़ाने की बजाय सरकार एपीआई गिरदावरी रिपोर्ट के आधार पर मुआवजा दे। 5 एकड़ वाली शर्त हटाकर किसानों को खराब हुई फसलों का 50 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए।

भारतीय किसान एकता (बीकेई) के प्रदेश अध्यक्ष लखविंद्र सिंह ने सोमवार को बरसात प्रभावित गांवों का दौरा किया और जलभराव से खराब हुई फसलों का सरकार से मुआवजा देने की मांग की।

किसान नेता ने कहा कि सिरसा जिले सहित पूरे हरियाणा की खरीफ की फसल लंबी बरसात व जलभराव से खत्म हो गई है, जिसमें मुख्यतः नरमा, कपास, गवार, बाजरा, मूंगफली, मूंग, हरी सब्जियां, बागवानी व धान सहित सभी फसलें खत्म हो गई है। कई जिलों में बाढ़ से फसलें डूब गई है। किसानों के ट्यूबवेल भी बाढ़ की चपेट में आकर खराब हो गए हैं। घग्गर नदी के किनारे बसे गांवों की सारी फसलें खत्म हो गई है। जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल बीमा करवा रखा है, उन्हें भी सौ प्रतिशत नुकसान के हिसाब से बीमा क्लेम दिया जाए। कई गांवों में क्रॉप कटिंग की जा रही है, जिसमें रोजाना हो रही बरसात की वजह से टिंडे गीले हैं, रूई में पानी निकल रहा है, जिससे फसल के नुकसान का आकलन सही नहीं लगाया जा सकता।

अपने आसपास रखें सफाई ताकि शहर बने स्वच्छ व सुंदर: एडीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

- नगरपरिषद व नगरपालिकाओं की टीमें दिन-रात स्वच्छता अभियान में जुटी

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत जिला में नगरपरिषद व नगरपालिकाओं की टीमें दिन-रात स्वच्छता अभियान में जुटी हैं। डोर टू डोर कूड़ा एकत्रित किया जा रहा है। नगर परिषद व नगर पालिका की गाडियां बाजारों से रात को भी कूड़े का उठान कर रही है। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों रिहायशी इलाकों, पार्कों आदि में भी सफाई अभियान चलाया जा रहा है। वहीं टीमें आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। दुकानदारों से भी मिलकर डस्टबिन रखते हुए स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की जा रही है। पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया जा रहा है। एडीसी वीरेंद्र सहरावत ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें। यदि हम अपने घर, दुकान और प्रतिष्ठान के आस-पास नियमित रूप से सफाई रखेंगे तो शहर स्वच्छ व सुंदर बनेगा। शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाना हर नागरिक का भी दायित्व है, इसलिए सभी सफाई व्यवस्था को बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का सीधा संबंध स्वास्थ्य और समाज की उन्नति से जुड़ा हुआ है। गंदगी से जहां बीमारियां फैलती हैं, वहीं स्वच्छ वातावरण नागरिकों को स्वस्थ जीवन प्रदान करता है। स्वच्छ वातावरण से न केवल शहर की सुंदरता बढ़ती है बल्कि नागरिकों का जीवन स्तर भी ऊंचा होता है।

बरसात से हुए नुकसान का मुआवजा दे सरकार: शर्मा

सिरसा। प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि राजकुमार शर्मा ने लोगों को बरसात से हुए नुकसान का उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है। शर्मा ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में बरसात व जलभराव के कारण काफी नुकसान हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां फसलें नष्ट हो गई हैं, वहीं शहरी क्षेत्र में मकानों-दुकानों में दरारें आ गई हैं। पानी की मार से फर्श बैठ गए हैं। उन्होंने कहा कि भारी बरसात के कारण जनजीवन ठप होकर रह गया है। प्रभावित लोगों को मदद की बेहद दरकार है, ऐसे में सरकार का कर्तव्य बनता है कि वह बिना किसी देरी के पीड़ितों की सुध ले और उन्हें राहत देने का काम करे।

सिरसा में दो दिवसीय किसान मेला आज से

सिरसा। शहर की नई अनाज मंडी में 9 और 10 सितंबर को किसान मेले का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस दो दिवसीय मेले में किसानों को खेती से जुड़ी नई तकनीकों, उन्नत कृषि यंत्रों और बेहतर उत्पादन के तरीकों की जानकारी दी जाएगी। देश की बड़ी-बड़ी कृषि कंपनियां इस मेले में भाग लेंगी और अपने उत्पादों व सेवाओं की जानकारी किसानों को देंगी। मेला आयोजकों कोशे कुलतार सिंह पन्नू, हरदीप सिंह संधू, साहिल मक्कड़, जगदीप सिंह बराड़, एडवोकेट जैशविंद्र सिंह बराड़, प्रीतपाल सिंह मांगेआना, यतनजीत सरां, पवन मक्कड़ ने बताया कि इस किसान मेला का उद्देश्य किसानों को नई टेक्नोलॉजी से अपडेट करना और उन्हें कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से जोड़ना है।

एसबीआई रिडीम प्वाइंट के नाम पर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

- ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करने पर कटे 50 हजार रुपये
- प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अपराध में संलिप्तता स्वीकार की
- मुकदमे से संबंधित आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जा रही

एसबीआई रिडीम प्वाइंट के नाम पर एक युवक से हजारों रुपये ठगने के मामले में टोहाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रोहित पुत्र नत्थु राम निवासी चौधरीवास, जिला हिसार के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बारे पुलिस ने 30 जनवरी को तिलक राज पुत्र धर्मवीर निवासी तूर नगर, टोहाना की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार 4 जनवरी शाम को उसके मोबाइल पर एसबीआई बैंक का रिडिम प्वाइंट का मैसेज आया। जब उसने ऑनलाइन लिंक खोला तो उसी समय उसके बैंक खाते से 50 हजार रुपये कट गए। जब उसने पैसे निकलने का मैसेज देखा तो उसे अपने साथ हुए फ्रॉड का पता चला। इस पर उसने तुरंत इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत पर थाना शहर टोहाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान तकनीकी पहलुओं की बारीकी से छानबीन कर पुलिस ने आरोपी रोहित को चिन्हित कर काबू किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अपराध में संलिप्तता स्वीकार की है। मुकदमे से संबंधित आगे की कार्रवाई नियमानुसार अमल में लाई जा रही है।

धार्मिक कार्यक्रम माता का 35 फीट लंबा दरबार शानदार रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया

सर्व श्री वैष्णों भजन मंडल ने लगाया मां भगवती जागरण, बंसी के भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। जागरण में उपस्थित भक्तजन। फोटो : हरिभूमि

सर्व श्री वैष्णों भजन मंडल की ओर से 21वां विशाल मां भगवती जागरण श्री अरोड़वंश धर्मशाला, फतेहाबाद में धूमधाम से संपन्न हुआ। जागरण में स्वामी विज्ञान प्रेमानंद महाराज, भजन सम्राट महंत हरबंस लाल बंसी व उनके सुपुत्र आशीष बंसी पहुंचे।

कार्यक्रम में माता का 35 फीट लंबा दरबार, शानदार रंग बिरंगी रोशनी से जगमगाता प्रांगण देखने योग्य था। सात पुरोहितों द्वारा पूजन करवाया गया। पूजा अर्चना और ज्योति प्रचण्ड के साथ जागरण की शुरुआत हुई। जागरण में 51 अखंड ज्योतें भी जलाई गई।

भजन सम्राट महंत हरबंस लाल बंसी द्वारा गाए गए माता के भजन 'इक तूँ सच्ची सरकार मां झंडेयां वाली, आओ मात जी तुहाडा मंदिर सजाया है, हुन आकर मेहरा वालिए मेहरा दे छट्टे मार' जैसे भजनों पर श्रद्धालु जमकर झूमे।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर चेयरमैन वेद फुला, चेयरमैन भारत भूषण मिड्ढा, जिला परिषद अध्यक्ष सुमन खिचड़, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, नप उप प्रधान सविता टुटेजा, समाज सेवी राजकुमार गर्ग, राजेंद्र चौधरी काका, राधा कृष्ण नारंग, अरोड़वंश महासभा के प्रधान आजाद सचदेवा, प्रांत अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल कृष्ण गुर्जर, ब्लॉक समिति अध्यक्ष पूजा, कंवल चौधरी, रामराज महत्ता, विजय महत्ता, शम्मी ढींगरा, गुलशन सेठी, मोहरी राम ग्रोवर, दीपक सरदाना प्रधान श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति, गुरबक्श मोंगा, डॉ. महेन्द्र मैहता, नरेश बजाज, ओमप्रकाश गेरा, पूर्ण चंद जुनेजा, सुभाष मेहंदीरत्ता, नरेन्द्र मोंगा, राकेश गम्भीर, राकेश रहेजा ने शिरकत की। मंडल के संरक्षक ईश मेहता, प्रधान दीपक सरदाना, सचिव मुकेश नारंग, संगठन मंत्री कमलकांत बत्रा, उप प्रधान प्रवीण रुखाया, कोषाध्यक्ष मुकेश नागपाल, गुलशन मुंजाल, अनिल मेहता, संजय डूडेजा, पवन रुखाया, भारत नारंग, सीताराम सोनी, विजय मिड्ढा, अरुण आहूजा, सतीश श्रीधर, पवन छाबड़ा, आशु रुखाया, महेंद्र सिंह, ईश्वर, नरेंद्र दीवाना, अमित जुनेजा, बंटी मेहता, सुशील डोडा, पवन नारंग, मनीष शर्मा, शुभम सरदाना, जितेंद्र सरदाना, शंकर नारंग, विक्की नागपाल उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

इंडिया स्किल्स के लिए पंजीकरण शुरू

फतेहाबाद। युवाओं की प्रतिभा और कौशल को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025 के लिए पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अंतर्गत यह प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इच्छुक प्रतिभागी केवल एसआईडीएच पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। किसी अन्य माध्यम से किया गया पंजीकरण मान्य नहीं होगा। उपायुक्त ने बताया कि चयनित प्रतिभागियों को विश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता, नवंबर 2025, ताइपेई और विश्व कौशल अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता सितंबर 2026, शंघाई में देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भूना। राजकीय महाविद्यालय भूना में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर विशेष कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकुला के दिशा-निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फतेहाबाद के तत्वावधान में हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में एडवोकेट सुमन लता सिवाच ने छात्राओं को उनके मौलिक अधिकारों व कानून संबंधी जानकारियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग अक्सर गलत संगत में फंसकर भटक जाता है, जिससे उनका भविष्य प्रभावित होता है।

विपदा में एकजुटता और धैर्य से काम लें लोग : केडिया

सिरसा। श्री सनातन धर्म सभा के कार्यकारी प्रधान नवीन केडिया ने नागरिकों से अपील की है कि प्राकृतिक आपदा के समय में एकजुटता और धैर्य से काम लें और किसी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देते हुए सूचनाओं का सही इस्तेमाल करें। केडिया ने जारी बयान में कहा कि पूरा देश इन दिनों बाढ़ की विभीषिका झेल रहा है। पीढ़ियां गुजर गईं लेकिन प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला भारत में नया नहीं है। बरसों से यह देश कुदरती मार झेलता रहा लेकिन एक ताकत है जो हमें सदैव आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित करती रही है। विभिन्नता में एकता का हमारा सिद्धांत और वसुधैव कुटुंबकम की हमारी भावना ने हमेशा देशवासियों को विपदा के समय एकता के सूत्र में पिरोने का काम किया।

अस्पतालों की व्यवस्था सुधारी जाए : अरोड़ा

फतेहाबाद। सिटी वेलफेयर क्लब के अध्यक्ष विनोद अरोड़ा ने प्रशासन से सरकारी अस्पताल के सौंदर्यकरण के साथ-साथ व्यवस्था सुधारने की भी मांग की है। उनका कहना है कि शहर के सरकारी अस्पताल जिसे करोड़ों रुपये खर्च कर रिनोवेशन करके चमकाया जा रहा है। जल्दबाजी में रिनोवेशन ना करके इसे अच्छे गुणवत्ता पूरक व अच्छे ढंग से करना चाहिए। संस्थाओं की काफी समय से मांग थी कि इसका सुधार किया जाए, मुरम्मत की जाए मगर इसके साथ-साथ आगे इसकी व्यवस्था में भी सुधार आना बहुत आवश्यक है।

उपायुक्त मनदीप कौर बोलीं- प्रशासन के सभी विभाग अलर्ट मोड़ पर कर रहे कार्य

प्रशासन का दावा : भूना शहर के अधिकतर स्थानों से पानी निकाला, बाकी जगह दिन-रात चल रहा काम

हरिभूमि न्यूज. फतेहाबाद/भूना

भूना शहर के 23 वार्ड और 5 गांवों में 29 कैंप लगाकर 670 लोगों का स्वास्थ्य चैकअप करके दवाइयां दी

जलभराव के बीच निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली निगम की टीमें फील्ड में

भूना। सफाई का कार्य करते हुए नगरपालिका के सफाई कर्मचारी व नगर पालिका के स्वाथ्य विभाग के कर्मचारी पूरे क्षेत्र में फोगिंग करते हुए। फोटो :हरिभूमि

भुना शहर और आसपास के गांवों में भारी बारिश से उत्पन्न जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। उपायुक्त मनदीप कौर ने दावा किया है कि भुना शहर से के अधिकतर स्थानों से पानी की निकासी की जा चुकी है और शेष स्थानों पर प्रशासन की टीम दिन-रात कार्य में जुटी हुई है। सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है और कार्य में गति लाने के लिए अतिरिक्त संसाधन भी लगाए गए हैं। जलभराव की निकासी के बाद गंदगी और कचरे के जमाव को रोकने के लिए स्थानीय निकाय विभाग ने व्यापक सफाई अभियान चलाया है। नालियों और सडक़ों की सफाई के साथ-साथ कीचड़/ कूड़ा हटाने का काम भी किया जा रहा है। इसके अलावा, मच्छरों के प्रकोप से बचाव के लिए पूरे क्षेत्र में फोगिंग कराई जा रही है ताकि डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों को फैलने से रोका जा सके।

पशुओं के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान

जलभराव से केवल इंसान ही नहीं बल्कि पशुधन भी प्रभावित हुआ है। इस स्थिति को देखते हुए पशुपालन विभाग सक्रिय भूमिका निभा रहा है। विभाग की टीमें गांव-गांव जाकर पशुओं की जांच और उपचार कर रही हैं। साथ ही जल जनित बीमारियों से बचाव के लिए पशुओं का टीकाकरण अभियान भी चलाया जा रहा है ताकि पशुधन सुरक्षित रहे। भारी बारिश और जलभराव के बीच नागरिकों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली विभाग की टीमें भी फील्ड में लगातार कार्यरत हैं। प्रभावित इलाकों में बिजली की सुचारु आपूर्ति की निगरानी की जा रही है और किसी भी तकनीकी खराबी का तुरंत समाधान किया जा रहा है। उपायुक्त मनदीप कौर ने कहा कि जिला प्रशासन पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ हालात की निगरानी कर रहा है। सभी विभाग मिलकर राहत कार्यों में लगे हुए है, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी समस्या की सूचना तुरंत विभाग को मिल सके।

कैंप लगाकर लोगों का स्वास्थ्य जांचा

लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार विजिट कर रही हैं। डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी कैंप लगाकर नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रहे हैं। भूना शहर के 23 वार्ड और 5 गांवों में 29 कैंप लगाकर 670 लोगों का स्वास्थ्य चैकअप करके उन्हें दवाईयां दी गई है। भूना शहर और आसपास के गांवों के उन गर्भवति महिलाओं की पहचान की गई है जिनका अगले दस दिनों में डिलीवरी होनी है। ऐसी 32 महिलाओं को एएनएम और आशा वर्कर लगातार निगरानी कर रही है और जरुरत अनुसार उन्हें सुविधाएं दी जाएगी। उन्हें प्राथमिक उपचार के साथ-साथ आवश्यक दवाइयाँ और मेडिकल किट उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल सुविधा के साथ ही पीने के पानी को स्वच्छ रखने के लिए भी किट उपलब्ध कराई जा रही है।

टैंकर से पानी भेजा

जलभराव वाले क्षेत्रों में नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। आवश्यकता अनुसार टैंकरों के माध्यम से भी पेयजल आपूर्ति की जा रही है। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि किसी भी क्षेत्र में पेयजल की समस्या नहीं आने दी जाएगी और पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच भी की जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग की टीमें फील्ड में उतरी

लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार विजिट कर रही हैं। डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी कैंप लगाकर नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रहे हैं। भूना शहर के 23 वार्ड और 5 गांवों में 29 कैंप लगाकर 670 लोगों का स्वास्थ्य चैकअप करके उन्हें दवाईयां दी गई है। भूना शहर और आसपास के गांवों के उन गर्भवति महिलाओं की पहचान की गई है जिनका अगले दस दिनों में डिलीवरी होनी है।

लगातार हो रही बरसात से फसलों को हो रहा नुकसान, किसान चिंतित

ओढां। पिछले एक महीने पहले हुई बारिश से किसानों के चेहरों पर रौनक आ गई थी कि इस बार समय पर बरसात हो रही है और फसल अच्छी होगी। लेकिन अब लगातार हो रही बारिश तो रुकने का नाम ही नहीं ले रही। ज्यादा बारिश होने से जहां गांवों की गलियों व सडक़ों ने तालाबों का रूप ले लिया वहीं पर किसानों के खेतों में पानी खड़ा हो गया है जो पता नहीं कब सुखेगा जिससे किसानों की फसलें दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। ओढ़ा क्षैत्र में हमेशा से कम पानी की फसलें ग्वार, मूंगी, बाजरा और नरमा बोई जाती है। पिछले कई दिनों से रुक-रुक हो रही बरसात ने पहले ग्वार, मूंगी और बाजरा को खराब कर दिया। अब तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश ने नरमा की फसल को पूरी तरह बर्बाद करके रख दिया। ओढ़ां के किसान नछतर सिंह व हीरा सिंह कुंडर ने बताया कि इस बार नरमा की पैदावार अच्छी लग रही थी। ज्यादा बारिश की वजह से बिल्कुल खत्म हो गई है प्रत्येक किसान ने नरमा पर प्रति एकड़ 15 से 20 हजार तक खर्चा लगा रखा है अब तो लगता है कि खर्च भी पूरा होना मुश्किल हैं। किसान संदीप सिंह ने बताया कि मैंने इस बार किसी अन्य किसान से जमीन ठेके पर लेकर ग्वार और नरमा बोया था जो बिल्कुल खराब हो चुके है ऐसे में अब ठेके का कर्जा चुकाना भी मुश्किल हो जाएगा। सालमखेड़ा के किसान ओमप्रकाश मेहता का कहना है कि नरमा की फसल में पानी भर जाने से टिंडे काले पड़ गये और फंगस आने से झाड़ बहुत कम आएगा। उन्होंने सरकार से मुआवजा देने की मांग की है।

स्कूल में हुआ सम्मान समारोह

बाढ़ व पहाड़ ढहने के हम खुद जिम्मेवार, प्रकृति का अनावश्यक दोहन रोकना होगा : बीईओ

मोहम्मदपुर रोही स्कूल में 70 प्रतिभाशाली छात्राएं सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव एमपी रोही विद्यालय में प्रतिभाशाली छात्राओं को सम्मानित करते अतिथिगण।

गांव मोहम्मदपुर रोही स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 70 प्रतिभाशाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। बच्चों के उत्साहवर्धन व सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यअतिथि के तौर पर फतेहाबाद के खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य व शिक्षाविद् भगवान दत्त ने की। कलस्टर हैड प्राचार्य अशोक गर्ग विशिष्ट अतिथि रहे। विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. ओमप्रकाश कादयान ने शिरकत की वहीं वरिष्ठ प्राध्यापिका दीपिका सेठी ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर प्राध्यापिका कमलेश रानी, सुनीता रानी, शशिबाला, मेवा सिंह, रणबीर सिंह, अजयपाल, धर्मवीर सिंह, रमेश शास्त्री, दिलबाग सिंह, इन्दुबाला, वीना देवी, अनीता, सुजाता रानी, मंजू अरोड़ा, प्राइमरी हैड विजय कुमार, भजनलाल, महेन्द्र सिंह, अन्जू, राजकुमार, सुरेन्द्र, सुमन, शिव कुमार, सुरेन्द्र सिंह, गुरदीप, रामनिवास आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर बेहतरीन कार्य के लिए शिक्षक महेन्द्र थालोड़ व राजबीर सिंह को भी सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार ने कहा कि किसी भी मनुष्य की सफलता के लिए विद्यार्थी जीवन महत्वपूर्ण होता है। विद्यार्थी साइंस को हो या आर्ट्स का, जो मेहनत करते हैं, वो जीवन में सफल होते हैं। बीईओ ने कहा कि आज देश के अनेक हिस्सों में बाढ़ आई हुई है, पहाड़ ढह रहे हैं। प्राचार्य भगवान दत्त ने सम्मानित छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए सभी को एकजुट होना पड़ेगा।

जलभराव का जायजा लेने पहुंचीं सीजेएम गायत्री

विभागों की बैठक बुलाकर जल्द समाधान सुनिश्चित करें अफसर

- ग्रामीण बोले : पहली बार किसी ने विस्तार से उनकी पीड़ा को सुना है, जिससे उनमें राहत की उम्मीद भी जगी है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव चिन्दड़ में ग्रामीणों से बातचीत करते सीजेएम गायत्री।

भारी बरसात के कारण फतेहाबाद जिले के कई गांव बाढ़ जैसे हालात से जूझ रहे हैं। खासतौर पर गांव चिंदड़, खाराखेड़ी, कुमारिया जैसे क्षेत्र जलभराव से बुरी तरह प्रभावित हैं, जिससे ग्रामीणों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। खेतों में पानी भर जाने और घरों में घुस आए पानी ने स्थानीय लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के निर्देशानुसार संकट की स्थिति का जायजा लेने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फतेहाबाद सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गायत्री ने प्रभावित गांवों का दौरा किया। उनके साथ कोर ग्रुप के सदस्य और सामाजिक संस्था जिन्दगी के अध्यक्ष हरदीप सिंह भी मौजूद रहे। गांव चिंदड़ में सरपंच सुमित कुमार ने सीजेएम गायत्री को जलभराव की स्थिति से अवगत कराया।

ग्रामीणों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए तात्कालिक राहत प्रदान करने की गुहार लगाई। इस पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जलभराव से राहत दिलाने के लिए वे शीघ्र ही संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक बुलाकर समाधान सुनिश्चित करेंगी। गायत्री ने कहा गांव चिंदड़, खाराखेड़ी, कुमारिया समेत आसपास के क्षेत्र भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं।

लाजपत नगर में किया गया आयोजन

समाधा मंदिर में माता सत्यम देवा के भजनों पर जमकर नाचे श्रद्धालु

भारत टुटेजा को सम्मानित करते श्रद्धालु।

फतेहाबाद। स्वास्तिक सेना द्वारा लाजपत नगर स्थित समाधा मंदिर में गणेश उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंची नगरपरिषद की वाइस चेयरपर्सन सविता टुटेजा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके बाद वंश मुटरेजा ने गणेश वंदना के साथ शुरूआत की। इस अवसर पर माता सत्यम देवा ने भजन गाकर सभी श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। माता सत्यम देवा ने माता रानी की महिमा का गुणगान किया और सभी को नाचने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने अपने भजनों में 'तू आजा माँ बड़े चिर तो लगी है आस दर्शन दी, रंगना नी में तन-मन रंगना' आदि भजनों से समां बांध दिया।

सिविल सेवा तैयारी के लिए सही मार्गदर्शन एवं रणनीति जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति व अन्य।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के डीन स्टूडेंट वेलफेयर, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल एवं यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर कॉम्पिटिटिव एग्जामस के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को कैंपस से सिविल सर्विस तक- सफलता का रोडमैप विषय पर एक वेबिनार का सफल आयोजन किया गया। इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए सही मार्गदर्शन एवं रणनीति प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वाजीराम एंड रवि इंस्टीट्यूट नई दिल्ली के सीओओ एवं पूर्व सिविल सेवक समरजीत मिश्रा रहे। वेबिनार का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि सिविल सेवाओं में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों को सही दिशा, सही संसाधन एवं सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

स्थापना दिवस पर बिश्नोई धर्मशाला में हरिकथा का हुआ शुभारंभ

सिरसा। बिश्नोई सभा के 51वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक जांभाणी हरिकथा ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ बिश्नोई मंदिर में संत संदीप द्वारा ग्रंथ पूजन व हवन यज्ञ द्वारा किया गया। उन्होंने सत्संग की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि श्रद्धा व विश्वास के साथ हरिकथा श्रवण करने से मनुष्य चतुर बनता है, चतुर व्यक्ति को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे मनुष्य परमात्मा व मृत्यु को हर समय याद रखते हैं तथा ईश्वर का जप करते हुए सद्मार्ग पर चलकर अपना जीवन यापन करते हैं। इस कथा प्रवचन कार्यक्रम में उनके साथ राकेश उर्फ रॉकी गुर्जर व अन्य गायक व संगीत मंडली भी मौजूद थी। प्रधान खेमचन्द बेनीवाल, सचिव ओपी बिश्नोई, उपप्रधान कृष्णपाल बेनीवाल, कोषाध्यक्ष राजकुमार बेनीवाल, सहसचिव भूप सिंह कसवां, सहसचिव जगतपाल कड़वासरा व अन्य मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़ा को लेकर भाजपा जिला कार्यालय में कार्यशाला का आयोजन

***फतेहाबाद।** भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से पूरे प्रदेश में शुरू किये जा रहे सेवा पखवाड़ा को लेकर सोमवार को बीजेपी जिला कार्यालय में सेवा पखवाड़ा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने की। कार्यशाला में मुख्य रूप से सीएम के पूर्व ओएसडी जगदीश चौपड़ा, पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली, प्रदेश सचिव एवं जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य, चेयरमैन वेद फुलां, सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के जिला संयोजक भारत भूषण मिड्ढा, सहसंयोजक जंगजीत हुड्डा, विज्ञान सागर बाघला, लखमीचंद शर्मा, प्रमोद बैनीवाल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा ने शिरकत की। जिला महामंत्री अशोक जाखड़ ने मंच संचालन किया। सेवा पखवाड़ा कार्यशाला में वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को सेवा पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश व प्रशिक्षण दिया। जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता 'नेशन फर्स्ट' की थीम पर कार्य करता है।*

स्वामी दिनेशानंद महाराज ने अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में श्रीमद्भागवत कथा का पाठ किया

गीता ज्ञान आत्मसात कर देवता बन सकता हैं मानव

स्वामी ने कहा कि मनुष्य को आज भगवान की प्राप्ति के लिए जंगलों व पर्वतों पर जाने की आवश्यकता नहीं है। मानव गृहस्थी का पालन करते हुए भी अपनी मंजिल पा सकता है। उन्होंने भगवान राम, कृष्ण और राजा जनक का उदाहरण देते हुए कहा कि इन सभी ने गृहस्थ में रहते हुए भी निर्लेप नारायण रहकर मोक्ष की मंजिल को पा लिया। वैसे ही यदि मानव भी इस भाग-दौड़ की जिंदगी में से थोड़ा सा समय निकालकर भक्ति में लगाए तो वो अपना जीवन संवार सकता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। श्रीमद्भागवत कथा पर प्रवचन करते महामंडलेश्वर स्वामी दिनेशानंद।

भगवान श्रीकृष्ण एक सिद्धस्त कर्मयोगी

योगाचार्य स्वामी भगवान देव परमहंस के शिष्य गद्दीनशीं अखिल भारतीय धर्म सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी दिनेशानंद महाराज ने अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन सोमवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण एक सिद्धस्त कर्मयोगी थे। उन्होंने लुप्त हुई कर्मयोग विद्या का पुनर्द्धार किया। विश्व को गीता के ज्ञान का अमर संदेश देकर उन्होंने मानवता पर महान उपकार किया। गीता ज्ञान के कर्मयोग की अनूठी कला को मानव अपने जीवन में उतार कर देवता बन सकता है। स्वामी ने कहा कि मनुष्य को आज भगवान की प्राप्ति के लिए जंगलों व पर्वतों पर जाने की आवश्यकता नहीं है। मानव गृहस्थी का पालन करते हुए भी अपनी मंजिल पा सकता है। हाथी तब यह अहसास हुआ कि बुरे समय में कोई भी अपना नही होता, संकट के समय सभी संगी-साथी साथ छोड़ देते है जीव का कोई साथ देता है तो सिर्फ भगवान ही है। इस अवसर पर अखिल भारतीय धर्मसभा के सरंक्षक महेश सुरेकां, प्रधान गौरव स्वामी, रतन सिंगला, हनुमान बंसल, हेमंत दड़ोलिया, पवन मित्तल, धनश्याम बंसल, अशोक गोयल, रवि मरोदिया, पूर्ण जोशी, योगेश शर्मा, अशोक गोयल, दिपेश कांडा, अरुण बंसल, श्री श्याम बगीची के मुख्य सेवक पवन गर्ग, कृष्ण लाल गर्ग, अशोक खट्टर सहित अनेक श्रद्धालुजन मौजूद थे।

प्रसंग सुनाया

उन्होंने भगवान राम, कृष्ण और राजा जनक का उदाहरण देते हुए कहा कि इन सभी ने गृहस्थ में रहते हुए भी निर्लेप नारायण रहकर मोक्ष की मंजिल को पा लिया। वैसे ही यदि मानव भी इस भाग-दौड़ की जिंदगी में से थोड़ा सा समय निकालकर भक्ति में लगाए तो वो अपना जीवन संवार सकता है। उन्होंने कहा कि इस संसार में कोई भी अपना नही है, सभी स्वार्थी है। अपना कोई है तो वह भगवान है जो जीव को दुख में याद करने पर संकट की घड़ी से उबारता है। उन्होंने गज(हाथी)और गृहा (मगरमच्छ) का प्रकरण सुनाते हुए कहा कि गजेंद्र नाम का हाथी त्रिकुट पर्वत पर अपने परिवार के साथ रहता था। उन्होंने कहा कि एक समय की बात है हाथी का परिवार प्यास लगने पर पर्वत के साथ लगते सरोवर में पानी पीने गया, वहां पानी पीने के बाद हाथी का परिवार जलक्रीड़ा करने लगा इतने में पानी में रहने वाले मगरमच्छ ने हाथी का पांव पकड़ लिया और पानी के भीतर ले गया। उन्होंने कहा कि जब हाथी का पूरा शरीर पानी में चला गया तो उसके परिवार के लोग पत्नी, भाई, बच्चे उसे छोडक़र अपने घर को चल दिए।